Published Date:	4 Sep 2026	Publication:	Rajasthan Patrika (Hindi) [New Delhi]
Journalist:	Bureau	Page No:	9
Circulation:	2,821		

फिक्स्ड इनकम ब्याज दरों में आगे बढ़ोतरी की आशंका, एक्सपर्ट्स बता रहे सही रणनीति

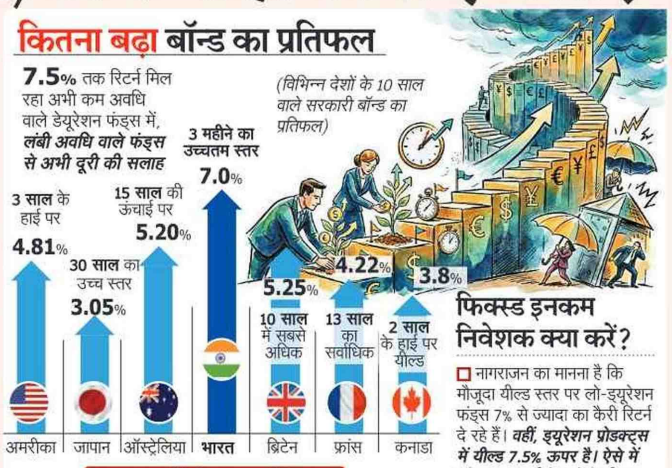
दुनियाभर में बॉन्ड यील्ड दशकों की ऊंचाई पर, अब कहां लगाएं पैसा?

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. दुनियाभर में सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल (यील्ड) कई दशकों के उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जिससे निवेशकों के बीच जोखिम से बचने की भावना (रिस्क-ऑफ सेंटीमेंट) बढ़ी है। हालांकि, यील्ड में बढ़ोतरी फिक्स्ड-इनकम निवेशकों के लिए अच्छे रिटर्न पाने के मौके भी बना रहे हैं। फंड मैनेजरों का रुझान बॉन्ड यील्ड कर्व के छोटी अवधि वाले हिस्से की ओर है, क्योंकि उन्हें ब्याज दरों में आगे और बढ़ोतरी की आशंका है।

अभी 10 साल के अमरीकी ट्रेजरी नोट्स की यील्ड बढ़कर तीन साल के उच्च स्तर 4.81% पर पहुंच गई। वहीं, जापान की 10 साल की बॉन्ड यील्ड 3% से ऊपर बनी हुई है, जो 30 साल का उच्च स्तर है। ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली और जर्मनी में भी 10 साल की सरकारी बॉन्ड यील्ड 10 से 15 साल से ज्यादा समय के सबसे ऊंचे स्तर है। भारत में भी गुरुवार को 10 साल की सरकारी बॉन्ड यील्ड करीब 7% रही, जो तीन महीने का उच्चतम स्तर है। महंगाई बढ़ने की आशंका और वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में तेजी के कारण केंद्रीय बैंकों की ओर से मौद्रिक नीति को सख्त किए जाने की उम्मीद से बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी हो रही है। अमरीका-ईरान के बीच फिर तनाव बढ़ने से तेल की सप्लाई बाधित होने की आशंका है, जिससे ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 96 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गया। विशेषज्ञों का कहना है, अभी एक-दो साल की ड्यूरेशन वाले फंड्स जैसे अल्ट्रा-शॉर्ट-टर्म, लो-ड्यूरेशन फंड्स आकर्षक हैं। इनमें ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव से जुड़ा जोखिम कम है।

कितना बढ़ा बॉन्ड का प्रतिफल



इन वजहों से बढ़ा प्रतिफल

1 ट्रस्ट म्युचुअल फंड्स के संदीप बागला ने कहा, यील्ड में बढ़ोतरी का कारण महंगाई बढ़ने की आशंका है। कमोडिटी की कीमतों में बढ़ोतरी, नरम मौद्रिक नीति और लंबे समय से कम ब्याज दरें भी प्रमुख कारण हैं।

2 कैनरा रोबेको के अवनीश जैन ने कहा, विकसित अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ता राजकोषीय घाटा। अमरीक में यह 6% के ऊंचे स्तर पर है। राजकोषीय चिंताओं से जापान में भी ब्याज दरें बढ़ रही हैं।

3 टाटा एमसी के मूर्ति नागराजन ने कहा, भारतीय डेट बाजार फिलहाल करीब 75 बेसिस प्वाइंट की ब्याज दर बढ़ोतरी को मौजूदा भाव में शामिल कर चुका है। यही मौजूदा बॉन्ड यील्ड के स्तर में भी दिखाई दे रहा है।

लार्जकैप आकर्षक, मिड-स्मॉलकैप में वैल्यूएशन रिस्क

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के वीके विजयकुमार ने कहा, बॉन्ड यील्ड बढ़ने के बावजूद लार्जकैप शेयर अपेक्षाकृत आकर्षक हो गए हैं। निफ्टी 50 के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम सबसे अच्छे स्तर पर है। लेकिन मिडकैप-स्मॉलकैप 31 गुणा और 33 गुणा पीई मल्टीपल के साथ ऐसा सेगमेंट है जो पिछले 14 वर्षों की तुलना में महंगा। रिस्क प्रीमियम 14 साल के निचले क्वार्टाइल में है।

फिक्स्ड इनकम निवेशक क्या करें?

- नागराजन का मानना है कि मौजूदा यील्ड स्तर पर लो-ड्यूरेशन फंड्स 7% से ज्यादा का कैरी रिटर्न दे रहे हैं। ***वहीं, ड्यूरेशन प्रोडक्ट्स में यील्ड 7.5% ऊपर है। ऐसे में मौजूदा स्तर निवेशकों के लिए आकर्षक बने हुए हैं।***
- बागला ने कहा, ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका को देखते हुए निवेशकों की रणनीति यील्ड कर्व के निचले हिस्से पर फोक्स्ड होनी चाहिए। ***हाई क्वालिटी वाले दो से तीन साल की अवधि वाले कॉरपोरेट बॉन्ड्स का स्प्रेड आकर्षक है।***
- जैन ने कहा कि अगर कोई निवेशक एक से दो साल की ड्यूरेशन वाले फंड्स पर विचार कर रहा है या अल्ट्रा-शॉर्ट-टर्म अथवा लो-ड्यूरेशन फंड्स में निवेश करना चाहता है, ***तो ये मौजूदा स्तर पर आकर्षक हैं। लंबी अवधि वाले बॉन्ड से अभी बचें।***